



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 15, 1981/पौष 25, 1902

No.14]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 15, 1981/PAUSA 25, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(प्राथमिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1981

विशेष बाह्य बांड, 1991

संख्या एफ० 4(1)-इक्यू० एण्ड एस०/81.—2 फरवरी, 1981 से विशेष बाह्य बांड, 1991 निम्नलिखित स्थानों पर बेचे जाएंगे :—

(1) भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली और पटना स्थित कार्यालय ; और

(2) भारत में भारतीय स्टेट बैंक और इसके सहायक बैंकों की सभी शाखाएं।

ये बांड 9 फरवरी, 1981 से भारतीय स्टेट बैंक की विदेशों में स्थित उन सभी शाखाओं पर भी बेचे जाएंगे जो बैंककारी का कारोबार करती हैं।

ये बांड उस तारीख तक बेचे जाते रहेंगे जो सरकार इस संबंध में अधिसूचित करेगी और जो 30 अप्रैल, 1981 से पहले की नहीं होगी।

2. बांड 10,000 रुपए के मूल्यवर्ग में जारी किए जाएंगे और ये बाह्य बांडों के रूप में होंगे। बांडों में रकम निवेश करने की कोई सीमा नहीं होगी।

3. बांडों की खरीद के लिए कोई धावेदन-पत्र देने की आवश्यकता नहीं होगी। भारतीय स्टेट बैंक की विदेश स्थित शाखाओं में बांड का मूल्य विदेशी मुद्रा में, रुपान्तरण की विद्यमान दरों पर स्वीकार किया जाएगा।

4. बांडों की वापसी अदायगी इन पर प्रकृत बिक्री की तारीख से कम वर्षों के बाद उपर्युक्त पैराग्राफ 1(i) तथा (ii) में उल्लिखित स्थानों पर की जाएगी।

प्रत्येक बांड के परिपक्व होने पर बाह्य 12,000 रुपए पाने का हकदार होगा। सभी मामलों में वापसी अदायगी भारत में भारतीय रुपयों में की जाएगी।

परिशोधन मूल्य की वापसी अदायगी लेने के लिए बांड को सही रूप में पेश करना होगा। गुम हुए, चोरी हुए अथवा नष्ट हुए बांड के संबंध में परिशोधन मूल्य की वापसी अदायगी का कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

5. बांडों पर दिए गए प्रीमियम की रकम प्रायः कर से मुक्त होगी और बांडों के मूल्य की रकमों को घटकर से छूट दी जाएगी। बांडों की पुनः बिक्री द्वारा उनके हस्तांतरण पर पूंजी लाभ कर नहीं लगेगा। उपहार के रूप में बांडों का हस्तांतरण दान-कर से मुक्त होगा।

6. बांड की दूसरी प्रति साक्षिकार प्राप्त करने के लिए कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा। फिर भी, भारतीय रिजर्व बैंक किसी बटे-फटे अथवा विकृत बांड के एवज में अपनी इच्छा से तथा उसके द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुसार बांड की दूसरी प्रति जारी कर सकता है।

राष्ट्रपति के आदेश से
अखिलेश चन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th January, 1981

SPECIAL BEARER BONDS, 1991

No. F. 4(1)-W&M/81.—With effect from 2nd February 1981, Special Bearer Bonds, 1991 will be on sale at :—

(i) the offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna ; and

(ii) all branches of the State Bank of India and its Subsidiary Banks in India.

The Bonds will also be on sale with effect from 9th February 1981 at all branches of the State Bank of India abroad conducting banking business.

The Bonds will remain on tap until such date, (not being a date before 30th April 1981), as the Government may notify in this behalf.

2. The Bonds will be issued in the denomination of Rs. 10,000 in the form of bearer bonds. There will be no limit on investment in the Bonds.

3 No application form for purchase of the Bonds will be necessary. At branches of the State Bank of India abroad, subscriptions will be received in foreign exchange at the prevailing rate of conversion.

4. The Bonds will be repaid after ten years from the date of sale indicated thereon at places mentioned in paragraph 1(i) and (ii) above.

The holders will be entitled to receive Rs. 12,000 for every Bond on maturity. The repayment in all cases will be made in India in Indian rupees.

For obtaining repayment of the redemption value, the bond will have to be presented intact. No claim for repayment of redemption value will be entertained in respect of a Bond lost, stolen or destroyed.

5. Premium paid on the Bonds will be free from income-tax and the value of the Bonds will be exempted from wealth-tax. Transfer of bonds on resale will not attract liability towards capital gains tax. Transfer of Bonds by way of gift will be free from gift-tax.

6. No claim for issue of a duplicate Bond will be admitted as of right. However, the Reserve Bank of India may, at its option and subject to such conditions as it may specify, issue a duplicate Bond in place of a mutilated or a defaced Bond.

By Order of President
A. C. TIWARI, Jt. Secy.